वीयू – मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में विश्व मत्स्य दिवस एवं “AQUA EXPO 2026” का भव्य आयोजन



जबलपुर। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय (NDVSU), जबलपुर के माननीय कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 21 नवंबर 2026 को विश्व मत्स्य दिवस (World Fisheries Day) के उपलक्ष्य में ‘नवाचार, उद्यमिता और सतत मत्स्य विकास’ तथा मत्स्य प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता और कृषक विकास’ विषय पर AQUA EXPO 2026 का गरिमामय आयोजन किया गया। भारत सरकार के मत्स्यपालन विभाग, एन. एफ.डी.बी. (NFDB), प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रों के सरस्वती वंदना गायन, अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा वंदे मातरम के साथ हुआ, वहीं AQUA EXPO 2026 कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों द्वारा फीता खोलकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जॉइंट डायरेक्टर श्री गिरीश मेश्राम ने अपने संबोधन में मत्स्य पालन विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी व हितग्राही योजनाओं, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) से मिलने वाले अनुदान एवं लाभों तथा मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने के उपायों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। विशिष्ट अतिथि एवं डायरेक्टर एक्सटेंशन डॉ. सुनील नायक ने अपने भाषण में विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों, कृषकों तक नवीनतम मत्स्य तकनीकों के हस्तांतरण तथा क्षेत्र के समग्र मत्स्य विकास से जुड़े अपने अनुभवों एवं विचारों को प्रमुखता से रखा। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. महाजन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों, शोधार्थियों और मत्स्य पालकों को नवाचार, उद्यमिता एवं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर कुल छः प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए, जिनमें विभिन्न राज्यों (केरल, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, वेस्ट बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश) के मछली से बने पारंपरिक व मुख्य व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया, जहां



केरल के मछली व्यंजन, छत्तीसगढ़ व उड़ीसा के पारंपरिक फिश डिशेज, वेस्ट बंगाल के सुप्रसिद्ध मछली व्यंजन, उत्तर प्रदेश व बिहार के क्षेत्रीय मछली व्यंजन तथा मध्य प्रदेश के स्थानीय मत्स्य व्यंजनों का प्रदर्शन व स्वाद प्रस्तुत किया गया, साथ ही आधुनिक मत्स्य तकनीक को दर्शाने के लिए बायोफ्लॉक (Biofloc) एवं आरएएस (RAS) का सेटअप, मूल्य संवर्धित उत्पादों के अंतर्गत मछली का अचार व कटलेट, मछली आहार (फिश फीड) तथा कृषकों के लिए उपयोगी सामग्रियों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देने वाले पंपलेट आदि के वितरण व प्रदर्शन की विशेष व्यवस्था रही। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. सोना दुबे द्वारा एवं सह–समन्वयन श्री शिवमोहन सिंह द्वारा किया गया, जिन्होंने आयोजन की रूपरेखा और संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण तकनीकी सत्र भी आयोजित हुए, जिनमें मध्यभारत कंसोर्टियम



से श्री विशाल भंडारी, इंट्रॉन लाइफ साइंस प्रा. लि. (Intron Life Science Pvt.Ltd.) से श्री अंशुल शर्मा तथा कृषि विकास व ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान से श्री ठाकुर अरित्य सिंह ने अपने विशेषज्ञ व्याख्यानों के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान सबसे पहले मुख्य अतिथि एवं सभी मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया, साथ ही तकनीकी सत्र लेने वाले सभी वक्ताओं व टीमों तथा आयोजन समिति के सदस्यों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. सोना दुबे के नेतृत्व में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (AMR) के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सभी का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिनमें विशेष रूप से श्री शुभेन्दु द्विवेदी, टीचिंग एसोसिएट प्रतीक कुमार तिवारी, सत्येंद्र कटारा, प्रियंका गौतम, अनिल केवट तथा महाविद्यालय के स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) के छात्र–छात्राओं का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं आभार ज्ञापन प्रतीक कुमार तिवारी द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर